भारत सरकार
इस्पात मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 426
2 दिसंबर, 2025 को उत्तर के लिए

बेल्लारी में पीएलआई परियोजनाएं

426. श्री ई. तुकारामः

क्या **इस्पात** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कर्नाटक के बेल्लारी संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में सरकार द्वारा अनुमोदित पीएलआई (स्पेशलिटी स्टील) परियोजनाओं की कुल संख्या कितनी है तथा अनुमोदित कम्पनियों के नाम क्या हैं;

(ख) ऐसी प्रत्येक परियोजना के लिए स्वीकृत प्रोत्साहन राशि, प्रतिबद्ध निवेश, अपेक्षित रोजगार, प्रस्तावित उत्पादन क्षमता और चालू होने की समय-सीमा क्या है;

(ग) क्या बेल्लारी में किसी मंजूर परियोजना ने उत्पादन शुरू कर दिया है, यदि हां, तो कब से और उत्पादन/क्षमता का ब्यौरा क्या है; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके विशिष्ठ कारण क्या हैं (जैसे, भूमि, पर्यावरणीय स्वीकृति, वित्तीय या तकनीकी दिक्कतें) और सरकार इनका समाधान करने के लिए क्या कदम उठा रही है?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री (श्री भूपतिराजु श्रीनिवास वर्मा)

(क) से (ड.): विशेष इस्पात के लिए उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा जुलाई, 2021 में ₹6,322 करोड़ रुपये के बजट के साथ अनुमोदित किया गया था जिसका उद्देश्य वित्तीय प्रोत्साहन के माध्यम से विशेष इस्पात उत्पादन को बढ़ावा देना है। यह योजना निर्धारित निवेश और उत्पादन लक्ष्यों को प्राप्त करने वाली कंपनियों को वित्त वर्ष 2024-25 से वित्त वर्ष 2030-31 तक पांच वर्षों के लिए प्रोत्साहन प्रदान करती है। यह योजना पाँच उत्पाद श्रेणियों को शामिल करती है जिसमें कोटेड स्टील,, हाई स्ट्रैन्थ स्टील, स्पेशियलिटी रेल्स, एलॉय स्टील एवं स्टील वायर और इलेक्ट्रिकल स्टील शामिल हैं। इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है और सरकार इस्पात क्षेत्र के विकास हेतु अनुकूल नीतिगत वातावरण सृजित कर एक सुविधाप्रदाता के रूप में कार्य करती है। निवेश, क्षमता संवर्धन, रोजगार, उत्पाद पोर्टफोलियो आदि जैसे निर्णय कंपनियों के प्रौद्यो-वाणिज्यिक विश्लेषण पर आधारित होते हैं। अब तक दो दौर पूरे हो चुके हैं जिनमें भाग लेने वाले लाभार्थी आंध्र प्रदेश, गुजरात, हरियाणा, झारखंड, महाराष्ट्र, ओडिशा, पंजाब, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और बेल्लारी जिला सहित कर्नाटक राज्य से हैं। पहले और दूसरे दौर में 19 कंपनियों ने ₹27,106 करोड़ रुपये और 25 कंपनियों ने ₹17,000 करोड़ निवेश के लिए प्रतिबद्धता दर्शाई है। अक्टूबर, 2025 तक, भाग लेने वाली लाभार्थी कंपनियों ने ₹23,022 करोड़ निवेश किया है तथा 2.33 मिलियन टन विशेष इस्पात का उत्पादन किया है और ₹131.64 करोड़ के प्रोत्साहन पात्र लाभार्थियों को संवितरित किए हैं।

*****